කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව
දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2016 (නව නිර්දේශය)

2022 මාර්තු/අප්‍රේල්

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - HIND E 1025

අර්ථාවබෝධය හා ප්‍රකාශන ශක්‍යතාව

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව 05යි | කාලය පැය 03යි

ප්‍රශ්න සියල්ලටම පිළිතුරු සපයන්න

01. निम्नलिखित शीर्षकों में से **<u>किसी एक</u>** पर लगभग **<u>डेढ़ पृष्ठों</u>** का निबंध हिंदी में लिखिए। (20 अंक)

(क) मेरी प्यारी बहन
(ख) मेरे जीवन की अविस्मरणीय घटना
(ग) मेरा सबसे प्रिय विषय

02. (i) निम्नलिखित गद्यांश का सिंहली में अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

किसी राजा के राजमहल में एक बंदर सेवक के रूप में रहता था। वह राजा का बहुत विश्वास–पात्र तथा बहुत भक्त था। एक दिन जब राजा सो रहा था, बंदर पंखा चला रहा था तो बंदर ने देखा, एक मक्खी बार–बार राजा की छाती पर बैठ जाती थी। पंखे से बार–बार हटाने पर भी वह मानती नहीं थी, उड़कर फिर वहीं बैठ जाती थी। बंदर को क्रोध आ गया। उसने पंखा छोड़कर हाथ में तलवार ले ली और इस बार जब मक्खी राजा की छाती पर बैठी तो उसने पूरे बल से मक्खी पर तलवार का हाथ छोड़ दिया। मक्खी तो उड़ गयी, किंतु राजा मर गया।

(ii) निम्नलिखित गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

ග්වාල්පුර් කුඩා ගමකි. ගම අසළින් ගංගාවක් ගලා යයි. ගං ඉවුර සමීපයෙහි විශාල පිට්ටනියක් ඇත. මේ ගමෙහි රඤ්ඤගේ ආච්චි අම්මලාගේ නිවස ඇත. රඤ්ඤ නගරයේ සිට මෙහි පැමිණියේ දින කිහිපයකට පෙරය. රඤ්ඤගේ යහළුවන්ද සිටින්නේ මෙම ගමෙහිය. එම නිසා සෑම සවසකම රඤ්ඤ තම යහළුවන් සමග පිට්ටනියේ සෙල්ලම් කරන්නේය. නමුත් එදින රඤ්ඤ සමග සෙල්ලම් කිරීමට යහළුවන් කිසිවෙකුත් පැමිණියේ නැත.

03. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपनी हिंदी में लिखिए।
(20 अंक)

भारत त्यौहारों का देश कहा जाता है। यहाँ अनेक त्यौहार मनाये जाते हैं। इन सबमें सबसे रंगीन त्यौहार होली है। यह त्यौहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इसका प्रारंभ वसंत पंचमी से ही हो जाता है। यह त्यौहार वसंत ऋतु के आने का सूचक है।

होली के त्यौहार के संबंध में एक प्राचीन कथा भी है। प्राचीन काल में हिरण्यकश्यपु नाम का एक राजा भगवान शिव से वरदान पाकर घमंडी और ईश्वर विरोधी बन गया था। उसने अपने पुत्र प्रह्लाद को मारने के अनेक यत्न किये। मगर प्रह्लाद हर बार बच गया। अंत में, राजा ने अपनी बहन होलिका से प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में प्रवेश करने को कहा। होलिका को वरदान प्राप्त था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती। पर इस बार भी प्रह्लाद बच गया और उसकी बहन होलिका जल गयी। इसी घटना की याद में आज भी होली जलायी जाती है।

दूसरे दिन रंग खेला जाता है। लोग एक–दूसरे को गुलाल लगाते हैं, एक–दूसरे पर रंग भी डालते हैं तथा गले मिलते हैं। शाम को बच्चे नये–नये कपड़े पहनकर मिठाइयाँ, पकवान आदि खाते हैं। इस दिन सभी लोग अपने वैर–भाव भुलाकर सच्चे मन से एक हो जाते हैं।

(क) भारत के सबसे रंगीन त्यौहार का नाम क्या है?
(ख) होली त्यौहार कब मनाया जाता है?
(ग) राजा हिरन्यकश्यपु का स्वभाव कैसा था?
(घ) होली से संबंधित प्राचीन कथा में कौन–कौन चरित्र हैं?
(ङ) होली के दूसरे दिन लोग क्या करते हैं?

04. निम्नलिखित पद्यांशों में से **किसी एक** का भावार्थ लिखिए। (20 अंक)

(क) हैं जनम लेते जगह में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता।
रात में उनपर चमकता चाँद भी
एक ही–सी चाँदनी है डालता।।

मेह उनपर बरसता एक–सा,
एक–सी उनपर हवाएँ हैं बहीं।
पर सदा ही यह दिखाता है समय,
ढंग उनके एक–से होते नहीं।।
छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर–वसन।
और प्यारी तितलियों के पर कतर,
भौंर का है बेध देता श्याम तन।।

खटकता है एक सब की आँख में,
दूसरा है सोहता सुर–सीस पर।
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।।

(ख) खड़ा द्वार पर लाठी टेके
वह जीवन बूढ़ा पंजर,
चिमटी उसकी सिकुड़ी चमड़ी
हिलते हड्डी के ढाँचे पर।

उसका लंबा डील–डौल है,
हट्टी–कट्टी काठी चौड़ी,
इस खंड़हर में बिजली–सी
उन्मत्त जवानी होगी दौड़ी

गर्मी के दिन, धरे उपरनी सिर,
लुंगी से ढाँपे तन,
नंगी देह भरी बालों से
वनमानुस–सा लगता वह जन।

भूखा है, पैसे पा कुछ गुन–गुन,
खड़ा हो जाता वह घर,
पिछले पैरों के बल उठ
जैसे कोई चल रहा जानवर।

05 (क) सब्जियों की दुकान में दुकानदार और खरीदनेवाले के बीच होनेवाले संवाद का निर्माण कीजिए। (20 अंक)

अथवा

(ख) रसोईघर में माँ और बेटी के बीच होनेवाले संवाद का निर्माण कीजिए।

****